फिर दूसरी से कर लेना-3

“प्रेषक : संजय शर्मा प्रिय पाठको संजय शर्मा का एक बार फिर से नमस्कार ! मेरी कहानी “दूसरी से कर लेना” के दो भाग अन्तर्वासना पर प्रकाशित हो चुके हैं। पहले अंश में मैंने लिखा था कि किस तरह मैंने और भैया ने अपनी दोनों दीदियों को चोदा था और काफी मजे किये। दूसरे अंश […] ...”

Story By: Sanjay Sharma (sanjaysharma825)
Posted: शनिवार, फ़रवरी 17th, 2007
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: फिर दूसरी से कर लेना-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर दूसरी से कर लेना-3

प्रेषक : संजय शर्मा

प्रिय पाठको

संजय शर्मा का एक बार फिर से नमस्कार ! मेरी कहानी “दूसरी से कर लेना” के दो भाग अन्तर्वासना पर प्रकाशित हो चुके हैं।

पहले अंश में मैंने लिखा था कि किस तरह मैंने और भैया ने अपनी दोनों दीदियों को चोदा था और काफी मजे किये।

दूसरे अंश में बताया कि कैसे मैं बड़ी दीदी के ससुराल गया और वहाँ दीदी की ननद को चोदा !

घटना काफी लम्बी है इस लिए जरुरी है कि मैं सबका नाम बता दूँ !

भैया का नाम विजय, बड़ी दीदी का नाम बिमला, छोटी दीदी का नाम सीमा और मेरा नाम तो आप जानते ही हैं संजय !

अब आगे की घटना इस प्रकार है !

पहले दिन रात को गुड़िया (दीदी की ननद) को तीन बार चोद कर मैं वहीं सोफे पर सो गया था ! जब सुबह उठा तो देखा दीदी के सास, ससुर और जीजू काम पर चले गए थे और गुड़िया भी अभी तक उठी नहीं थी क्योंकि मैंने रात को उसको कोलेज जाने के लिए मना कर दिया था। इसलिए वो अभी तक उठी नहीं थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सब जाने के बाद दीदी मेरे पास आई और मेरी लुंगी खोल कर मेरे लंड से खेलने लगी और मुँह में लेकर चूसने लगी और कहा- कल तो जल्दबाजी में कुछ ज्यादा नहीं हो सका ! पर आज मैं तुमको नहीं छोड़ूँगी ! आज सारा दिन मैं तुम से चुदवाऊँगी ! तुम आज जी भर कर मेरी इतने दिनों की चुदाई की कसर पूरी कर दो !

मैंने कहा- वो तो ठीक है पर तेरे साथ गुड़िया को भी चोदना पड़ेगा !

उसने कहा- क्या मतलब ?

मैंने कहा- कल रात को गुड़िया को लंड भी चुसा चुका हूँ और तीन बार चोद भी चुका हूँ ! बड़ी चुद्दकड़ है तेरी ननद ! बहुत मस्त भी है ! मजे ले ले कर नए नए तरह से चुदवाती है ! उसका मम्मे भी बहुत मस्त हैं !

दीदी ने कहा- तू तो बार शैतान है !

मैंने कहा- दीदी, क्या करूँ ! तुम लोगों ने जो आदत डाल दी है, अब तो एक दिन भी चुदाई के बैगर नहीं रह सकता !

तब दीदी ने कहा- अब तो कोई समस्या नहीं है ! चल कपड़े खोल जल्दी से और अपना लंड दे मुझे !

मैंने कहा- दीदी तुमने कपड़े ही कहाँ छोड़े हैं जो उतारूँ !

उसने कहा- बनियान भी उतार दो ! आज शाम तक तुमको कपड़े नहीं मिलेंगें !

मैंने कहा- दीदी, पहले बाथरूम जाकर पहले फ्रेश तो ओ लेने दो !

तो उसने कहा- एक बार लंड चूसने दो और चोद दो फिर जाना ! मैं कल शाम से तेरे लंड के

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लिया मरी जा रही हूँ !

खैर एक बार कुछ देर दीदी को लौड़ा चूसा कर उसको चोदा फिर फ्रेश होने को चला गया और दीदी को कहता गया कि कपड़े मत पहनना !

दीदी हंस कर रह गई ! फिर मैं बाथरूम से नंगा ही बाहर आया और सोफे पर बैठ गया !

दीदी नाश्ता लेने चली गई !

इतने में गुड़िया नंगी ही बाहर आई और मुझसे शिकायत करने लगी- मैंने तो सोचा था कि तुम आओगे और अपने लंड का प्रसाद देकर मुझे उठाओगे !

मैंने कहा- मैं अभी अभी उठा हूँ ! अगर तुम और कुछ देर नहीं आती तो मैं ही अन्दर आ जाता तुझे उठाने को !

वह तुंरत मेरी गोद में आ बैठी और मेरे मुँह से अपना मुँह लगा दिया और अपनी जीभ मेरे मुँह में डाल दी। हम दोनों एक दूसरे को बहुत बुरी तरह चूम रहे थे, साथ ही वो मेरा लंड सहला रही थी, मैं उसकी चूत में ऊँगली डाले हुए मस्ती कर रहा था।

उसने कहा- संजय मुझे तेरी रबड़ी खानी है ! कल रात को खाकर बहुत मजा आया था !

मैंने कहा- कौन मना करता है जी भर कर खाओ !

इतने में दीदी नाश्ता लेकर आ गई और हम लोगों को देख कर बोली- तो यहाँ यह सब चल रहा है !

गुड़िया बोली- भाभी, संजय ने मुझे रात को बहुत मस्ती से चोदा है ! सच में बहुत दिनों बाद इतना मजा आया है ! नाश्ता वाश्ता छोड़ो, जल्दी से आ जाओ ! आज संजय का ही

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

नाश्ता करते हैं ! चूकि दीदी भी नंगी ही थी, वह तुंरत हमारे पास आ गई और हम दोनों से लिपट गई !

फिर दीदी ने गुड़िया से कहा- तुमने या विनय (जीजू) ने कभी नहीं कहा कि विनय तुमको भी चोदता है ! अगर मुझे पहले पता होता तो हम दोनों एक ही साथ चुदवाते ! सच में तीन या ज्यादा मिलकर चुदाई करते हैं तो बहुत मजा आता है क्योंकि सब के पास कई विकल्प रहते हैं !

गुड़िया ने कहा- पहले संजय से तो चुदवा लूँ ! इसका लंड बहुत मजेदार है !

और हम तीनों चुदाई में लग गए !

कभी दीदी मेरा लंड चूसती कभी गुड़िया !

फिर गुड़िया ने कहा- संजय, अपना अमृतरस मुझे पिलाओ !

मैंने कहा- मेरी रानी घबराती क्यों हो ? आज दिन भर तुम दोनों को चोद चोद कर थका दूंगा !

दोनों ने कहा- देखेंगे !! तुम कौन सा तीर मार लेते हो !

फिर सिलसिला चालू हो गया और मैंने दोनों को बुरी तरह चोदा ! गुड़िया तो जल्दी ही पस्त हो गई पर दीदी अभी फिर से तैयार थी !

मैंने दीदी से कहा- यहाँ तो दिन के अलावा मौका नहीं मिलता ! क्यूँ ना मेरे साथ चलती !

दीदी ने कहा- मैं तो तैयार हूँ ! तुम मेरे सास ससुर से बात कर लो !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तो गुड़िया ने कहा- मैं भी तुम लोगों के साथ चलूंगी !

मैंने कहा- ठीक है !जब मैं बात करूँगा, तब तुम कह देना कि तेरे कोलेज में एक हफ्ते की छुट्टी है और तुम भाभी के बिना यहाँ अकेली बोर हो जाओगी !

इस तरह हम चुदाई में लगे रहे।

फिर कुछ देर बाद गुड़िया बोली- संजय, मेरी गांड मारो ना !मुझे गांड मरवाने में बहुत मजा आता है !

तो दीदी ने कहा- अगर ऐसी बात है तो मैं भी मरवा कर देखूंगी !

तब गुड़िया ने कहा- भाभी, पहली बार गांड मरवाने में बहुत तकलीफ होती है !

दीदी ने कहा- कोई बात नहीं !मैं सह लूंगी मज़े के लिए मैं सब कुछ कर सकती हूँ !

इसके बाद गुड़िया उठ कर गई, क्रीम की टचूब ले आई और मेरे लंड पर लगाने लगी, मुझसे कहा- तुम भाभी की गांड चूस कर गीला कर दो तो तकलीफ कुछ कम होगी !

दीदी ने कहा- हट गांड को भी कोई चूसते हैं !

गुड़िया ने कहा- चुसवा कर तो देखो भाभी !बहुत मजा आयेगा !

इस प्रकार गुड़िया ने दीदी की गांड में भी क्रीम लगा कर और ऊँगली डाल कर कुछ ढीला कर दिया !

फिर मुझसे कहा- आ जाओ संजय !अब भाभी की गांड तैयार है !

मैं दीदी को घोड़ी बना कर उसकी गांड के छेद में लंड डाल कर लंड का सुपारा अन्दर करने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लगा। लेकिन छेद इतना कसा था कि अन्दर जा ही नहीं रहा था !

तब गुड़िया ने कहा- संजय, जरा जोर लगाओ !

और दीदी के नीचे आकर उसके मुँह को अपने मुँह से दबा लिया !इस बार मैंने जोर लगा कर अपने लौड़े का सुपारा दीदी की गांड में घुसा दिया !

सुपारा घुसते ही दीदी चिल्ला उठी- अरे मेरी माँ !मैं तो मर गई संजय !

और जोर जोर से चिल्लाने लगी !

मैंने कहा- दीदी जो होना था, वो हो चुका !ज्यादा जोर से चिल्लाओगी तो आस पड़ोस वालो को शक ना हो जाये !

दीदी कहने लगी- नहीं संजय, निकाल लो !बहुत तकलीफ हो रही है !

गुड़िया ने कहा- मुझे भी हुई थी !पर बाद में जब धीरे धीरे पूरा लौड़ा अन्दर बाहर होने लगा तो बहुत मजा आया !

तो दीदी ने कहा- जब इतना बर्दाश्त किया है तो थोड़ी तकलीफ और सही !लेकिन धीरे धीरे प्यार से डालना !

मैंने कहा- ठीक है !

फिर मैंने धीरे धीरे पूरा लंड अन्दर कर दिया !

गुड़िया ने कहा- भाभी, मेरी चूत चूसो !मैं तुम्हारी चूची दबाती हूँ !

इस तरह दीदी को बहलाकर गुड़िया ने मुझे कहा- संजय, अब अपना लंड आगे पीछे करो।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कुछ ही देर में दीदी ने कहा- संजय, अब मजा आ रहा है !जरा जोर जोर से चोदो !

काफी देर चोदने के बाद गुड़िया ने कहा- अब मेरी गांड भी मारो !मैं अब बर्दाश्त नहीं कर सकती !

इस तरह कहकर वह भी दीदी के बराबर घोड़ी बन गई !

अब मैं कभी दीदी की कभी गुड़िया की गांड मारने लगा। मुझे भी बहुत मजा आ रहा था।

मैंने कहा- अब मैं छुटने वाला हूँ !

तब दीदी और गुड़िया ने कहा- हम दोनों तो अब तक दो-दो बार छुट चुकी हैं !

दीदी और गुड़िया ने कहा- अपना अमृतरस हम दोनों को पिलाओ !

मैंने अपना कामरस दोनों के मुँह में डाल दिया। दोनों ने थोड़ा-थोड़ा अपने मुँह में लिया, फिर दोनों ने आपस में मुँह से मुँह मिला कर काफी स्वाद ले-ले कर सारा पी लिया। फिर मेरे लौड़े पर जो कुछ बचा था वह चाट चाट कर साफ कर दिया।

सच मुझे इतना मजा कभी नहीं आया !

फिर हम लोगों ने कुछ देर आराम किया। उसके बाद दोनों मेरे लौड़े पर भूखी शेरनी की तरह टूट पड़ी और मैं भी उनके चुचे दबाने लगा। इस प्रकार हम लोगों ने एक फिर जम कर चुदाई का आनंद लिया और कपड़े पहन कर शरीफों के जैसे बैठ गए !

कुछ ही देर में दीदी के सास-ससुर आ गए, विनय कुछ देर बाद में आया !

मैंने उनसे दीदी को ले जाने की इजाजत मांगी तो पहले कुछ ना नुकुर करने लगे लेकिन मेरे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

काफी जोर देने पर एक हफ्ते के लिए मान गए ! जैसे कि हम लोगों ने योजना बनाई थी, गुड़िया भी कहने लगी जाने को !

जैसे तैसे उसको भी मंजूरी मिल गई !

तब मैंने कहा- कल सुबह निकल चलते है दोपहर तक पहुँच जायेंगे !

इस प्रकार हम करीब आठ बजे बस से रवाना हो गए ! बस में मैं बीच में बैठा था, एक तरफ दीदी और एक तरफ गुड़िया ! थोड़ी देर बाद गुड़िया ने एक चादर निकाल कर हम तीनों पर डाल ली। क्योंकि ठण्ड का मौसम चालू हो गया था इसलिए किसी को शक भी नहीं हुआ ! मैं पीछे से हाथ डाल कर दोनों एक एक चूची दबाने लगा और वो दोनों मेरे लौड़े से खेलने लगी ! करीब चार घंटे का सफ़र था जब बस चाय पानी के लिए रुकी तो हम सबने नीचे उतर कर चाय पी ! दोनों मुस्करा रही थी। मैं समझ गया कि दोनों गरम हो रही हैं, दोनों घर पहुँचते ही चुदवाना चाहेगी !

अब दोनों ने अपनी जगह बदल ली क्योंकि दोनों अपनी एक एक चूची दबवा चुकी थी, अब दोनों की दूसरी चूची दबाने लगा और उन्होंने मेरा लंड निकाल लिया ! इस बीच गुड़िया को ना जाने क्या सूझा कि वो अपना सर चादर में डाल कर मेरी गोद में आ गई और मेरा लंड चूसने लगी।

अब दीदी को कैसे बर्दाश्त होता, कुछ देर बाद उसने गुड़िया को हटाया तो उसने कहा – पहले तुम कोने में बैठी थी, तेरे पास मौका था तुमने उसका फ़ायदा नहीं उठाया !

बात सही थी जिस तरफ दीदी बैठी थी उस तरफ से कोई मौका नहीं था !

इस प्रकार हम मजा करते हुए घर पहुँच गए ! जब मैंने घर कि घंटी बजाई तो सीमा दीदी दरवाजा खोलने आई। चूंकि किसी को कोई खबर नहीं थी तो सीमा दीदी और विजय भैया

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चौंक पड़े एवं स्तब्ध रह गए ! इसके बाद बिमला दीदी पहले सीमा दीदी के गले लगी फिर दौड़ कर विजय भैया के गले लग गई और उनको जोर जोर से चूमने लगी ! विजय भैया भी कहाँ चुप खड़े रहने वाले थे, वो भी दीदी चूमने लगे और उनकी चूची दबाने लगे।

इधर हम भी कहाँ चुप बैठने वाले थे, मैंने सीमा दीदी और गुड़िया को अपने से चिपका लिया और दोनों के मम्मे दबाने लगा !

कुछ देर ऐसा ही चला, फिर भैया ने कहा- तुम लोग सफ़र के थके हुए हो, कुछ देर आराम कर लो !

बिमला दीदी ने कहा- नहीं भैया, हम लोग बिल्कुल भी थके नहीं हैं ! चलो एक राउंड चुदाई चुसाई का हो जाये फिर आराम कर लेंगे ! क्योंकि आज रात तो जागना ही है तुम से चुदाये बहुत दिन हो गए है और तुमको नया स्वाद गुड़िया का भी तो लेना है ! इस तरह हम चाय पीते हुए एक दूसरे से छेड़छाड़ करते हुए एक दूसरे के कपड़े उतारने लगे ! इस तरह हम सब नंगे हो गए। गुड़िया भी कम नहीं जा रही थी, वो उठ कर भैया के पास चली गई और उनका लौड़ा मुँह में ले लिया और जोर जोर से चूसने लगी।

अब बिमला दीदी को कैसे बर्दाश्त होता, वो गुड़िया से झगड़ा करने लगी !

मैंने कहा- दीदी, झगड़ा क्यों करती हो ? हालांकि तुझे भैया का लंड काफी दिनों बाद मिला है, पर गुड़िया को नए लंड का स्वाद चखने दो !

दीदी ने कहा- सिर्फ़ एक बार ही चूसने और चुदवाने दूंगी ! आज भैया केवल मेरा है ! कल से हम लोग सब मिलकर सारे काम करेंगे क्योंकि मुझे और गुड़िया को एक हफ्ते ही रहना है ! इस पर सब राजी हो गए।फिर एक बार चुदाई के बाद हम सब कपड़े पहन कर आराम से बैठ गए ! इस के बाद पापा-मम्मी, ताउजी-ताईजी आ गए और बिमला दीदी और

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गुड़िया को देख कर काफी खुश हुए !

इस तरह हम पांचों ने पूरे हफ्ते बहुत मस्ती की जो मैं अगले भाग में बताऊंगा ! कृपया इंतजार करें !

अपनी राय देना ना भूलें जिससे मैं इसको और रुचिकर शब्दों में पिरोकर आपके सामने प्रस्तुत कर सकूँ ! घटना बिलकुल सच है ! अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप इसको कितना सच मानें !

आज के लिया बस इतना ही

आपका संजय शर्मा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

स्कूल में चुत चुदाई के बाद चाचा ने मेरी चुत चोदी

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज पढ़ने वाले मेरे प्यार दोस्तो, अपनी सखी प्रिया का नमस्कार स्वीकार कीजिए। अभी मैं 24 वर्ष की हूँ, मेरा रंग गोरा.. चूचे 36″ के और कमर 28″ की है और चुत चिकनी फ़ूली हुई है। यह मेरी […]
Full Story >>>

भाई की साली छत पर चुद गई

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरी के पाठकों को रमेश के खड़े लंड से नमस्कार! मैं जयपुर से हूँ, मेरी लंबाई 5 फुट 5 इंच की है और लंड का साइज भी लंबा और मोटा है। यह अन्तर्वासना पर मेरी पहली कहानी है। […]
Full Story >>>

अनोखी चूत चुदाई के बाद-4

'योनि नहीं, कोई दूसरा नाम बताओ इसका, तभी घुसाऊँगा लंड!' मैंने उसे और तंग किया फिर उसके भगांकुर को होंठों में लेकर चुभलाने लगा। 'उफ्फ पापा जी, आप और कितना बेशर्म बनाओगे मुझे आज… लो मेरी चूत में पेल दो […]
Full Story >>>

अनोखी चूत चुदाई के बाद-3

टाइम ग्यारह से ज्यादा हो गया, मैं ऊपर वाली कोठरी में जाकर लेट गया। 'अदिति आएगी?' यह प्रश्न मन में उठा, साथ में मैंने अपनी चड्डी में हाथ घुसा कर लंड को सहलाया। 'जरूर आयेगी… जब उसे कल की चुदाई […]
Full Story >>>

अनोखी चूत चुदाई के बाद-2

'देखो, घबराओ मत, तुम्हारी चिन्ता का कारण मुझे पता है, तुम किसी भी बात की चिन्ता फिकर मत करो।' 'कौन सी चिन्ता पापा? मुझे कोई टेंशन नहीं है!' 'देखो अदिति बेटा, मुझे सब पता है कि तुझे किस बात का […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Desi Kahani

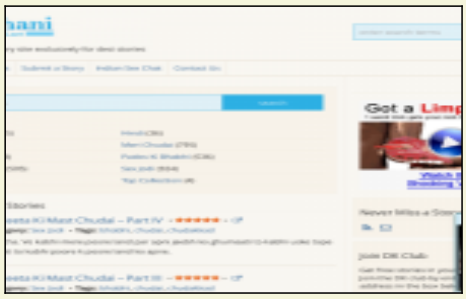

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं !

FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire